INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII (3rd Lang)	Department: Hindi	Date: ---- 08-2023
Worksheet no.3	**Topic:** अर्थग्रहण कार्य पत्रिका	**Note: Pls. check with your class work**

निर्देश- नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर सही उत्तर पर सही का निशान लगाइए |

मानव जाति को अन्य जीवधारियों से अलग करके महत्त्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरु है, वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुधि है, विवेक है, तर्कशक्ति है अर्थात उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सुंदर विचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता स्थापित की है और मानव-सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है। यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सुंदर विचारों का अभाव रहता है तो उसका खाली मष्तिष्क बुरे विचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानव की बुद्धि जब अच्छे भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में लगी रहती है तो उसकी अच्छाई का कोई अंत नहीं होता, किंतु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी बुरी या पशु जैसी प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पाप का दानवी राज्य इस बात का परिचय देता है कि मानव की कुविचार-शक्ति उसे पशु बनने से रोकती नहीं है बल्कि उसका साथ देती है।

(क) मानव जाति को महत्त्व देने में किसका योगदान है?

(i) मानव के शारीरिक शक्ति का

(ii) मानव के परिश्रम और उत्साह का

(iii) मानव की विचार शक्ति का

(iv) मानव सभ्यता का

(ख) विचारों की अमूल्य पूँजी में क्या शामिल नहीं है?

(i) उत्साह

(ii) विवेक

(iii) तर्क
(iv) बुधि

(ग) मानव में बुरी या पशु प्रवृत्तियाँ क्यों जागृत होती हैं?
(i) हिंसा करने के कारण
(ii) असत्य बोलने के कारण
(iii) कुविचारों के कारण
(iv) मारपीट करने के कारण

(घ) विचारशील मनुष्य के पास जब सुंदर विचारों का अभाव रहता है तो क्या होता है?

(i) उसका वह खाली मष्तिष्क बुरे विचारों से ग्रस्त होता है
(ii) उसका वह खाली मष्तिष्क अच्छे विचारों से ग्रस्त होता है
(iii) उसका वह खाली मष्तिष्क काम नहीं करता है
(iv) उसका वह खाली मष्तिष्क बहुत तेज काम करता है

(ङ) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है?
(i) मानव की दास शक्ति
(ii) मानव की विवेक शक्ति
(iii) मानव की दानवी शक्ति
(iv) मानव की पाशविक प्रवृत्ति

---०००---